

— b) *schmuckes Aussehen, Glanz, Schönheit*: शोभा = रूपोपभोगात्-
एयैरङ्गानां विभूषणम् DaCAR. 2, 32. — Vgl. मकरविभूषणकेतन.

विभूषणवत् (von विभूषण) adj. *geschmückt* MBh. 61, 2.

विभूषा (vom caus. von 2. भूष् mit वि) f. 1) *Anputz; Schmuck* VARĀH. Brh. 27 (23), 34. श्रीमद्विष्णुसुक्तित Kām. Nīris. 13, 46. भयोत्सृष्ट° adj. f. Ragh. 4, 54. असमाप्त° adj. f. Spr. 3044. — 2) *schmuckes Aussehen, Glanz, Schönheit* H. 1312. HALĀJ. 2, 410.

विभूषिन् (von विभूषा) adj. am Ende eines comp. *geschmückt mit*: सौम्यदेष्टा° MBh. 13, 890. जाम्बूनद° HARIV. 16183.

विभूषु (von 1. भू mit वि) adj. als Beiw. Çiva's wohl so v. a. *allmächtig* Çiv. — Vgl. भूषु.

विभूत्र (von 1. भू mit वि) adj. *was sich hinundher tragen lässt*, z. B. das zarte Kind RV. 1, 71, 3. दशमे लघुर्जनयत् गर्भं विभूत्रम् 95, 2. उतारु-
षाकं चक्रे विभूत्रः (अग्निः) 2, 10, 2. आ पुत्रासो न मातरं विभूत्राः (सदत्तु) 7, 43, 3.

विभूवन् (wie eben) adj. *hinundher tragend* RV. 9, 96, 19.

विभेत्य (von 1. भो mit वि) n. zu *fürchten* (impers.): भयात् Spr. 1029, v. 1.

विभेत् (von 1. भिद् mit वि) nom. ag. *Durchbrecher, Zerstreuer, Ver-
scheucher*: तमसाम् (अरूपा) Spr. 5233.

विभेद् (wie eben) m. 1) *Durchbohrung, Spaltung, das Durchbrechen* MBh. 8, 1966. सतताल° R. GORR. 1, 4, 63. भूधराणाम् KIR. 13, 1. VARĀH. Brh. S. 3, 84. — 2) *das Verziehen*: भू° der Brauen SĀH. D. 196. — 3) *das Zerfallen, Zwietracht, Uneinigkeit*: यो नः सुमनसा मूढ विभेदं कर्तु-
मिच्छसि MBh. 2, 2158. सामदानविभेदः R. 5, 24, 34. मित्राणाम् VARĀH. Brh. S. 10, 12. राष्ट्र° 46, 26. विभेदं पूर्ववत्प्रापदेवं निजबलं पुनः RĀGA-TAR. 6, 239. — 4) *das Zerfallen in so v. a. Unterschiedenheit, Verschieden-
heit*: कालो द्विविधो ऽवसर्पण्युत्सर्पणीविभेदतः H. 127. देशरूपवयश्चे-
ष्टाविज्ञानादिविभेदतः । भिन्ना गुणा वरस्त्रीणां नैका सर्वगुणान्विता ॥ KA-
THĀS. 47, 105. Verz. d. Oxf. H. 23, a, 12. 81, a, 30. 32. 197, b, No. 462, ÇI. 4. VARĀH. Brh. S. 88, 12. BHĀG. P. 3, 3, 22. उपकारविभेदः *verschiedene
Arten von* Spr. 1348, v. 1. BHĀG. P. 3, 13, 37.

विभेदक (wie eben) 1) adj. *Etwas* (gen.) von *Etwas* (abl.) *unterschei-
dend*: विज्ञानवादस्य किं विभेदकं भवन्मतात् Verz. d. Oxf. H. 239, b, 7. — 2) m. = *विभीदक, विभीतक* H. 1143, Schol.

विभेदन (wie eben) 1) adj. *durchbohrend, spaltend*: रत्नं मणिपूरविभे-
दनम् Verz. d. Oxf. H. 89, b, 21. अविभेदनाः परस्परम् von Sternen so v. a. *sich gegenseitig nicht verfinstern* VARĀH. Brh. S. 20, 4. — 2) n. a) *das
Spalten, Zerbrechen* Nir. 9, 8. अण्ड° MBh. 1, 1089. — b) *das Entzweien,
Veruneinigen*: सुहृद्विभेदनम् MBh. 3, 17447. Kām. Nīris. 12, 22. साम्रा प्र-
दानेन विभेदनेन 9, 76. सामदानविभेदनैः MBh. 12, 3968. R. 4, 54, 11.

विभेदिन् (wie eben) adj. 1) *durchbohrend, zerreissend*; s. मर्म°. — 2) *vertreibend, verscheuchend*: स्मरणादेव सर्वेषामङ्गसां या (गङ्गा) विभेदिनी HARIV. 3190.

विभेद्य (wie eben) adj. *zu spalten, zu zerbrechen*: एकेषुणा विभेद्यानि
तानि दुर्गाणि MBh. 8, 1434.

विभंश (von 1. भंश् mit वि) m. 1) *Verfall* so v. a. *das Aufhören, Ver-
schwinden*: सन्नस्य MBh. 3, 11254. नित्यक्रियाणाम् MĀRK. P. 69, 38. स-
मस्ताचार° 40, 12. शील° KATHĀS. 61, 143. चित्त° so v. a. *Geistesstü-*

rung MBh. 13, 2840. — 2) *Fall, Sturz* in übertr. Bed.: अनेकमदान्धा-
नाम् BHĀG. P. 8, 22, 5. राज्यं चाप्युग्रविभंशम् MBh. 3, 4566. देश° *Verfall,
Ruin eines Landes* VARĀH. Brh. S. 43, 7. — 3) *das Kommen um, Verlust*:
राज्यविभंशदुःख RĀGA-TAR. 1, 375. स्वार्थ° BHĀG. P. 14, 21, 21. सुखास्वा-
दविभंस MĀRK. P. 24, 11. — Vgl. मति°.

विभंशिन् (wie eben) adj. 1) *zerbröckelnd*: श्रै° ÇAT. Br. 3, 1, 2. KĀTJ. Çr. 7, 1, 13. GOBH. 4, 7, 1. — 2) *herabfallend, sich ablösend*: मन्दारपुष्पैः
कर्णविभंशिभिः MEGH. 68.

विधम (von धम् mit वि) 1) m. am Ende eines adj. comp. f. आ. a) *das
Hinundhergehen, das sich hinundher-Bewegen, unstätes Wesen*: उल्ल-
स्तमतकलकंस° MĀLATIM. 13, 12. मतधमर° adj. (बिन्दुसरम्) BHĀG. P. 3,
21, 41. पवनोद्वातवोचि° Spr. 2036. अकृत्रिमविधमैः — अङ्गकैः UTTARAR.
10, 8 (14, 6). मदविधमलोचन adj. VARĀH. Brh. S. 38, 36. चलितापाङ्गवि-
धमैः RĀGA-TAR. 5, 360. धूलता° MEGH. 48. R. 3, 17. सविधम (वीक्षण)
1, 12. तडितरलविधमाः संपदः RĀGA-TAR. 8, 1898. घनसमयतडिद्विधमाः
भोगपूगाः Spr. (II) 993. वाताश्रविधममिदं वसुधाधिपत्यम् (I) 2773. — b)
(*das Toben*) *Heftigkeit, Intensität, hoher Grad*: रति° KĀURAP. 13. KĀN-
DOM. 53. भूयो ऽपि मा कृया क्वास्वविधमम् KATHĀS. 43, 103. निवृत्तसर्वेन्द्रि-
यवृत्ति° BHĀG. P. 1, 9, 31. रोष° 9, 10, 13. शौर्यविधममरं बिभ्रति (राजनि)
Inscr. in Journ. of the Am. Or. S. 6, 304, ÇI. 12. (कीर्तिः) *विश्ववन्द्य-
विधमा* KĀNDOM. 38. कर्मक्रियाविधमाः so v. a. *buntes Gewirre* Spr. (II)
1721. सौन्दर्य° (I) 4791. 1265. गन्ध° KĀNDOM. 143. दानविधमाः über-
aus grosse Schenkungen RĀGA-TAR. 8, 72. — c) *Coquetterie, Buhlkunst*:
स्त्रीणामाद्यं प्रणयवचनं विधमो हि प्रियेषु MEGH. 29. 72. Ragh. 8, 58. 79.
Spr. (II) 835. KATHĀS. 47, 110. BHĀG. P. 4, 27, 1. 9, 23, 8. विलासस्मित-
विधमैः RĀGA-TAR. 5, 365. SĀH. D. 113. सविधमा Spr. 931. 3003. R. 6,
23. — d) *Verwirrung, Unordnung, Störung*: पवनादीनाम् SUÇR. 1, 70, 19.
स्नेहादीनाम् 233, 2. आकार° SĀH. D. 33, 19. स्मृति° BHĀG. 2, 63. Spr.
5112. DAŚPATIÇ. 31, 8 v. u. विधमार्दिविप्लवता वाचः H. 69. राज्य° R. 2,
23, 28. मत्स्वयम् MBh. 12, 2157. दण्डस्य so v. a. *falsche Anwendung der
Strafe* M. 7, 24. दण्डनीतिः Kām. Nīris. 2, 8. — e) *Aufregung*: लोकस्य
VARĀH. Brh. S. 33, 11. न यस्य चित्तं बहिर्यविधमम् BHĀG. P. 4, 24, 59.
मनस्यर्थविधमे 7, 13, 43. स काक्षीं ब्रूयौवनः । जनयामास नारोणां वीत-
त्तीनां च विधमम् 10, 53, 9. तत्राश्रयं पुत्राणां तव विधमम् MBh. 3, 358.
अ° *kalttes Blut, Besonnenheit* 4, 1887. दुःख° über, in Folge von 14,
321. राज्य° 5, 1163. — f) *Verwirrung des Geistes* PAÑĀR. 3, 13, 22.
Irrthum, Wahn; = धम TRIK. 3, 3, 303. = धाति MED. m. 52. VAIG. bei
MALLIN. zu KIR. 4, 3 und ÇIÇ. 15, 94. प्रवृत्तविज्ञानविधूत° BHĀG. P. 1, 10,
3. Zweifel H. an. 3, 473. fg. HALĀJ. 4, 6. VAIG. a. a. O. — g) *Trugbild,
blosser Schein*: स्वप्नदर्शन° ÇAÑK. zu Brh. Ār. Up. S. 248. स्वप्न° KATHĀS.
28, 15. मिथ्यैव विधमो दृष्टस्त्वया 63, 143. गते रात्रिविधमे 70, 77. यो ऽधर्म-
धर्मविधमः BHĀG. P. 4, 19, 12. 17, 29. लालापानमिवाङ्गुष्ठे बालानां स्तन्य-
विधमः Spr. (II) 2067. अमृत — द्रुतवातपातवनविधमं सद्ः ÇIÇ. 15, 94. ब-
भार रतासर्षपविधमम् RĀGA-TAR. 3, 338. 3, 332. धमद्वनरविधमम् Spr.
988. गङ्गाम्भोविधमं दधुः RĀGA-TAR. 3, 365. विद्युतां विधमे दधुः Verz. d.
Oxf. H. 117, a, 41. वितन्वानः प्रतिपदं प्रवातारम्भविधमम् KATHĀS. 20, 223.
कोरो ऽतितापो रामाणां तस्वीताउनविधमम् । करोति KĀVYĀD. 3, 21. कुर्व-
न्नकाण्डनिर्मेधवर्षासमयविधमम् KATHĀS. 19, 65. वनेषु किरिकुम्भविधम-